बर्षः- 05
अंकः- 261
मुरादाबाद
(Monday)
12 January 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने दोनों हाथों से बजाया डमरू, शौर्य यात्रा में 108 घोड़े

सोमनाथ को तोड़ने वाले इतिहास में सिमटे, आज भी विरोधी ताकतें सक्रिय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत शौर्य यात्रा में हिस्सा लिया। उन्होंने 108 घोड़ों के साथ पूजा-अर्चना की और सरदार वल्लभभाई पटेल सहित मंदिर की रक्षा में शहीद वीरों को श्रद्धांजलि दी।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोमनाथ मंदिर में आयोजित शौर्य यात्रा में हिस्सा लिया। यह यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत चार दिवसीय आयोजन का हिस्सा है, जो 1026 में महमूद गजनवी के पहले हमले के बाद से मंदिर की सतत आस्था और दृढ़ता का स्मरण करती है।पीएम मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को भी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने स्वतंत्रता के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में अहम योगदान दिया। उन्होंने उन अनगिनत वीरों को भी पुष्प अर्पित किए जिन्होंने मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। प्रधानमंत्री एक खुले फूलों से सजाए वाहन में खड़े थे और यात्रा शहर में होते हुए गुजर रही थी। इस दौरान उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी भी मौजूद थे।यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों हाथों से डमरू बजाकर भीड़ का अभिवादन स्वीकार किया। इस यात्रा का उद्देश्य साहस, बलिदान और अडिग आत्मा को प्रदर्शित करना है, जिसने सदियों तक नष्ट होते मंदिर को संरक्षित रखा। प्रधानमंत्री ने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।यात्रा में भाग लेने के लिए गुजरात पुलिस माउंटेड यूनिट के 108 घोड़े विशेष रूप से आए। ये घोड़े काठियावाड़ी और मारवाड़ी नस्ल के हैं और आठ महीने की प्रशिक्षण अवधि के बाद शौर्य यात्रा में शामिल हुए। छठ्ठल राजेंद्रसिंह चुदासमा ने बताया कि यह टुकड़ी यात्रा का केंद्रीय समारोहिक हिस्सा है। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आयोजित शौर्य यात्रा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ड्रम भी बजाया सोमनाथ पहुंचे पीएम मोदी ने कहा कि मंदिर को तोड़ने वाले आक्रांता इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं, लेकिन दुर्भाग्य से आज भी कुछ ताकतें मंदिर पुनर्निर्माण का विरोध करती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर पहुंचकर न केवल पूजा-अर्चना की, बल्कि देश के इतिहास, आस्था और आत्मसम्मान से जुड़ा एक सशक्त संदेश भी दिया। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर पीएम मोदी ने कहा कि सोमनाथ को तोड़ने वाले आक्रांता आज इतिहास के पन्नों में सिमट गए हैं, लेकिन दुर्भाग्य से देश में आज भी ऐसी ताकतें मौजूद हैं, जो मंदिरों के पुनर्निर्माण का विरोध करती रही हैं। पीएम मोदी ने देशभर से जुड़े श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा आज देश के कोने-कोने से लाखों लोग हमारे साथ जुड़े हैं। ये समय अद्भुत है, ये वातावरण अद्भुत है। एक ओर महादेव, दूसरी ओर समुद्र की लहरें, मंत्रों की गूंज और भक्तों की उपस्थिति यह सब इस अवसर को दिव्य बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इसे अपना सौभाग्य मानते हैं कि उन्हें सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में इस ऐतिहासिक पर्व में सेवा का अवसर मिला।पीएम मोदी ने कहा कि जब वे आज यहां खड़े होकर बोल रहे हैं, तो उनके मन में यह सवाल बार-बार आता है कि 1000 साल पहले इसी स्थान पर कैसा माहौल रहा होगा। उन्होंने कहा हमारे पुरखों ने अपनी आस्था और महादेव के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। आक्रांताओं को लगा कि वे जीत गए, लेकिन 1000 साल बाद भी सोमनाथ की ध्वजा पूरी दुनिया को भारत की शक्ति का संदेश दे रही है। प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि सोमनाथ का इतिहास विनाश का नहीं, बल्कि विजय और पुनर्निर्माण का इतिहास है। उन्होंने कहा कि आक्रांता आते रहे, लेकिन हर युग में सोमनाथ फिर से खड़ा हुआ इतना धैर्य, संघर्ष और पुनर्निर्माण का उदाहरण दुनिया के इतिहास में दुर्लभ है।पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग अपने धर्म के प्रति सच्चे होते हैं, वे कभी कट्टरपंथी सोच का समर्थन नहीं करते। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों ने हमेशा ऐसी सोच के आगे घुटने टेके। उन्होंने कहा कि जब आजादी के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया, तब भी उन्हें रोकने की कोशिश की गई। यहां तक कि 1951 में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के मंदिर आने पर भी आपत्तियां जताई गई थीं। पीएम मोदी ने चेतावनी दी कि आज तलवारों की जगह नए और गुप्त तरीकों से भारत के खिलाफ साजिशें की जा रही हैं। ऐसे में देश को सतर्क, मजबूत और एकजुट रहने की जरूरत है। शौर्य यात्रा और मंदिर में की पूजा-अर्चना- प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को करीब 30 मिनट तक सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने शिवलिंग पर जल चढ़ाया, फूल अर्पित किए और पंचामृत से अभिषेक किया। बाहर आकर उन्होंने पुजारियों और स्थानीय कलाकारों से मुलाकात की और चेंदा वाद्य यंत्र भी बजाया। इससे पहले करीब 1 किलोमीटर लंबी शौर्य यात्रा में पीएम मोदी ने डमरू बजाया और वीर हमीरजी गोहिल व सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमाओं को नमन किया। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार शाम सोमनाथ पहुंचे थे। 1026 में हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे होने पर देशभर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जा रहा है, जो भारत की आस्था, संस्कृति और आत्मगौरव का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

सबरीमाला में सोना नहीं बचा पाए तो धर्म क्या बचाएंगे, अमित शाह ने साधा केरल सरकार पर निशाना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा के एक कार्यक्रम को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने केरल सरकार पर जमकर हमला बोला। शाह ने सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी का मुद्दा उठाते हुए सीबीआई जांच की मांग की।केरल दौरे पर पहुंचे केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने पिनरई विजयन सरकार को जमकर घेरा। तिरुवनंतपुरम में एक सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह नगर निगम में भाजपा की जीत पर बात करते हुए कहा, विजय हमारा लक्ष्य नहीं है, बल्कि लक्ष्य तक पहुंचने का एक पड़ाव है। हमारा अंतिम लक्ष्य है, कमल निशान की केरल में सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है। इसी के साथ शाह ने केरल सरकार को सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी मामले पर भी घेरा।शाह ने अपने बयान में कहा कि जो मंदिर का सोना नहीं बचा पाए, वो धर्म क्या बचाएंगे। इसी के साथ उन्होंने सीबीआई जांच की मांग भी की। शाह ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य है केरल को पूर्ण विकसित बनाना, केरल को देशविरोधी ताकतों से सुरक्षित करना और केरल में जो सदियों से आस्था की ताकत है, उसकी भी रक्षा करना है। शाह ने दावे के साथ कहा कि केरल के लोग भी मानते हैं कि यूडीएफ और एलडीएफ काम नहीं कर सकते हैं, सिर्फ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ही यह काम कर सकती है।अमित शाह ने अपने बयान में कहा कि नरेंद्र मोदी ने 2047 तक इस देश को एक विकसित भारत बनाने का सपना देखा है।

उनके दिमाग में ट्यूबलाइट, असम CM की हिंदू PM वाली टिप्पणी से भड़के ओवैसी;कसा तंज

असदुद्दीन ओवैसी के हिजाब वाली बेटी के एक दिन देश के प्रधानमंत्री बनने वाला बयान पर वार-पलटवार का दौर शुरू हो चुका है। ओवैसी के बयान पर असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने टिप्पणी की थी, जिस पर अब ओवैसी ने उन पर करारा तंज कसा है।महाराष्ट्र निकाय चुनाव प्रचार में व्यस्त ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का हिजाब पहने बेटी का एक दिन देश का प्रधानमंत्री बनने वाले बयान पर सियासत शुरू हो चुकी है। ओवैसी ने अब रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला है। ओवैसी का यह बयान असम सीएम की टिप्पण के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र होने के नाते एक हिंदू व्यक्ति को ही देश का प्रधानमंत्री बनते हुए देखेगा।उनके दिमाग में ट्यूबलाइट, ओवैसी का तंज- रविवार को नागपुर में ओवैसी ने असम सीएम पर करारा तंज कसते हुए कहा कि उनके दिमाग में ट्यूबलाइट है। उन्होंने संविधान की कसम खाई है। संविधान में यह कहां लिखा है? पाकिस्तान के संविधान में लिखा है कि सिर्फ एक समुदाय का व्यक्ति ही उस देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बन सकता है। हमारे देश में बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान दिया है। वे हिमंत बिस्वा सरमा से अधिक बुद्धिमान और पढ़े-लिखे थे। दुर्भाग्य से जो लोग संविधान और उसकी भावना को नहीं समझते कि यह देश सिर्फ एक समुदाय का नहीं है। उनकी (असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की) सोच छोटी है, इसलिए वे ऐसी छोटी-छोटी बातें करते हैं। असम सीएम का पूरा बयान जानिए- दरअसल, शनिवार को गुवाहाटी में ओवैसी के बयान पर असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि संवैधानिक रूप से कोई रोक नहीं है। कोई भी प्रधानमंत्री बन सकता है। लेकिन भारत एक हिंदू राष्ट्र है, हिंदू सभ्यता है, और हम हमेशा यह मानेंगे और हमें पूरा भरोसा है कि भारत का प्रधानमंत्री हमेशा एक हिंदू व्यक्ति ही होगा।ओवैसी ने शुक्रवार, 09 जनवरी को महाराष्ट्र के सोलापुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हिजाब पहनी बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी। अपने बयान में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था कि पाकिस्तान का संविधान साफ तौर पर कहता है कि सिर्फ एक धर्म का व्यक्ति ही देश का प्रधानमंत्री बन सकता है। लेकिन बाबा साहेब का संविधान कहता है कि भारत का कोई भी नागरिक प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मेयर बन सकता है। मेरा सपना है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हिजाब पहनी हुई बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बनेगी।इधर, रायपुर में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि ओवैसी के मन के भाव बार-बार प्रकट होते हैं कि वे किस प्रकार की राजनीति करते हैं, किस प्रकार वे धर्म के आधार पर बात करते हैं। वास्तविकता यह है कि ओवैसी के पास इस तरह से भावनात्मक और सांप्रदायिक राजनीति करने के अलावा और कोई रास्ता नहीं बचा है। क्या बोले स्वामी रामभद्राचार्य ?- ओवैसी के बयान पर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनाया गया। हामिद अंसारी को उपराष्ट्रपति बनाया गया। उन्हें और क्या चाहिए?...वह दिवास्वप्न देख रहे हैं। अगर भारत में कोई महिला प्रधानमंत्री बनेगी, तो वह साड़ी पहनकर ही बनेगी।

प्रवीण तोगड़िया बोले- विद्यार्थियों को मिले सस्ती शिक्षा... युवाओं को रोजगार; दिया यह नारा

बरेली में डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने शिक्षा और किसानों का मुद्दा उठाया। कहा कि किसानों को फसल के वाजिब दाम मिलने चाहिए। सस्ती शिक्षा हमारा अधिकार है। इसके बाद युवाओं को रोजगार मिलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू मारा जा रहा है। यह 14 वर्षों से वहां हो रहा है। 1990 में यही स्थिति कश्मीरी घाटी में थी। उन्होंने कहा कि हमने रामंदिर बना दिया। ताज और तख्त भी बदल गए। अब आगे क्या? तोगड़िया ने रविवार को बरेली के राजेंद्रनगर में आयोजित कार्यक्रम शिक्षा और किसानों के मुद्दे भी उठाए। तोगड़िया ने कहा कि हमारा संकल्प अब हिंदू ही आगे, सुरक्षित हिंदू, समृद्धि हिंदू और सम्मानयुक्त हिंदू। उन्होंने कहा कि सस्ती शिक्षा हमारा अधिकार है। सबको रोजगार मिलना चाहिए। कहा कि खेत हमारा, फसल हमारी तो कर्ज क्यों? किसानों को फसलों के सही दाम नहीं मिल रहे। तोगड़िया ने नारा दिया कि किसानों को फसल के दाम अब यही है हमारा राम, यही है हमारा काम। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि हमारे घर से बड़ा घर हमारे भगवान का होना चाहिए। राम मंदिर बनाने के लिए आठ करोड़ हिंदुओं ने सवा रुपया दिया है। यह मंदिर किसी व्यक्ति के पैसे से नहीं बना है। उन्होंने कहा कि दुनिया में 17 सौ वर्ष पहले सबसे समृद्धि राष्ट्र भारत था। उस वक्त शिक्षा का केंद्र भारत था। हमने दुनिया को शून्य दिया। अब दुनिया से सबसे समृद्धि देश अमेरिका है।

संघ धीरे-धीरे विकसित हो रहा, नए रूप ले रहा है, दिल्ली में आरएसएस के कार्यक्रम में बोले मोहन भागवत

दिल्ली स्थित संघ के कार्यालय में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि स्वयंसेवक संघ बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है।संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार (11 जनवरी) को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) बदल नहीं रहा है, बल्कि समय के साथ धीरे-धीरे विकसित हो रहा है और बस सामने आ रहा है। मोहन भागवत दिल्ली स्थित संगठन के कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जहां आने वाली फिल्म शतक के गाने के एल्बम को लॉन्च किया गया। यह फिल्म आरएसएस के 100 साल के सफर की कहानी बताती है।संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है- संघ प्रमुख- आरएसएस प्रमुख भागवत ने अपने संबोधन में कहा, संगठन (RSS) अपनी शताब्दी मना रहा है। लेकिन जैसे-जैसे संगठन विकसित होता है और नए रूप लेता है, लोग इसे बदलते हुए देखते हैं। हालांकि यह असल में बदल नहीं रहा है बस धीरे-धीरे सामने आ रहा है। बता दें कि इस मौके पर सिंगर सुखविंदर सिंह, डायरेक्टर आशीष मल्ल, को-प्रोड्यूसर आशीष तिवारी और आरएसएस पदाधिकारी भैयाजी जोशी मौजूद रहे।संघ को लेकर दिया ये उदाहरण- उन्होंने आगे कहा, जैसे एक बीज से अंकुर निकलता है और फलों और फूलों से लदा हुआ परिपक्व पेड़ का एक अलग रूप होता है, ये दोनों रूप अलग-अलग हैं। फिर भी पेड़ मूल रूप से उसी बीज जैसा है, जिससे वह उगा है। भागवत ने कहा कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एक जन्मजात देशभक्त थे और उन्होंने बचपन में ही अपना जीवन राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।उन्होंने कहा, संघ और डॉक्टर साहब (हेडगेवार) पर्यायवाची शब्द हैं। वो जब सिर्फ 11 साल के थे, जब उनके माता-पिता का प्लेग से निधन हो गया था, लेकिन उन्हें उस उम्र में या बाद में भी, बात करने या भरोसा करने वाला कोई नहीं मिला। मोहन भागवत ने कहा कि जब इतनी कम उम्र में इतना बड़ा सदमा लगता है, तो इंसान अकेला हो जाता है और उसके स्वभाव और व्यक्तित्व पर बुरा असर पड़ने का खतरा रहता है, लेकिन हेडगेवार के साथ ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा, उनके व्यक्तित्व में बड़े से बड़े झटकों को भी सहने की क्षमता थी, बिना अपने विश्वास या स्वभाव को थोड़ा भी डगमगाने दिए - यह बेहतरीन मानसिक स्वास्थ्य, एक मजबूत और स्वस्थ दिमाग की निशानी है, जो उनमें शुरू से ही था।

संपादकीय Editorial

A Midnight Riot Plot

On the night of January 6-7, around 1:30 a.m., it was time to fall into deep sleep. Yet, at Turkman Gate in the capital, Delhi, there was unrest, stone-pelting, and even attacks with glass bottles. A frenzied, religious, and jihadi mob seemed intent on inciting violence. A mere blatant lie—a rumor of a mosque being demolished—prompted the crowd to take to the streets. In a video, a man was inciting, provoking, "Brothers! It's time to get out of your homes. Close your shops. Turn the night dark! The military has arrived. A curfew has been imposed over there so the mosque can be demolished. Look! What is happening to Muslims! Get out of your homes! We have to save the mosque." Furthermore, a certain Jalal Imran released a video of a blatant lie: "The mosque has been demolished." The mosque was demolished between 12 noon and 3 am.' Rizwan Pasha also conspired to incite riots by lying on social media and spreading false news of the mosque's demolition. Delhi Police has said that they have released nearly 100 videos spreading rumors of the mosque's demolition. The question of where the stones, bricks, glass bottles, and nails came from in the middle of a winter night has once again arisen. Similar scenes have played out in Muslim-majority areas where riot-like violence occurred. The Delhi riots also erupted and spread against this backdrop. Now, even the security of the capital, Delhi, is being flouted. The absolute truth is that the ancient "Faiz-e-Ilahi" mosque is completely safe and secure. Its 0.195 acre land is completely legal. However, approximately 36,400 square feet of illegal encroachment surrounding the mosque has been demolished using 32 bulldozers and four cranes. Piles of earth and debris remain surrounding the mosque. This was a Delhi High Court order dated November 12, 2025, and the encroachments were to be demolished within three months. Turkman Gate is a Muslim-dominated, narrow, and densely populated area, so the decision was made to conduct the operation at night. The police spoke with shopkeepers and street vendors in the area to alert and caution them. The fundamental issue is the high walls that stand between encroachment and religion. The hollow, illegal, and undocumented Waqf claims add fuel to the fire. What was SP's Rampur MP Mohibullah Nadvi doing in the area when rumors were being spread and the crowd took to the streets? Did he also make an inciting speech? The police will question him as well. Of course, the accused and suspects have been arrested, and those who released the fake video are being identified. However, the concern is how to explain the fundamentalism and jihadist mentality. Nearly riot-like conditions developed at midnight. Paramilitary and police personnel were injured in stone pelting. They are undergoing treatment in hospital. Police had to fire tear gas shells. The reality was, and still is, that the ancient mosque was not even touched. Between there and the Jama Masjid, there are approximately 10-12 smaller mosques; they haven't even been scratched. Indeed, illegal occupation and encroachment have become perennial in the capital, Delhi, and across the country. They pose a serious problem. India has over 400,000 mosques. Indonesia alone has more than 800,000. If the country were not secular, would so many mosques be possible? Speaking of the Waqf, it owns 1,047 properties in Delhi alone, which are not disputed. However, the Waqf has also been laying claim to the Rashtrapati Bhavan complex, the land of the new Parliament building, IGI Airport, Air Force land, the CGO Complex, and other lands. What is the justification for this? Hundreds of acres of Army and Railway land are under illegal occupation and encroachment.

Bengal's Changing Political Climate

Issues such as state-sponsored corruption cases that surfaced during the Mamata Banerjee government, repression of opponents, allegations of exploitation of women from RG Kar Medical College to Sandeshkhali, the promotion of Muslim fundamentalism, unemployment, migration, and slow development are turning against the Trinamool Congress. Consequently, the BJP appears poised to give it a tough fight this time. Mamata Banerjee is protesting the ED raids. Amit Shah's visit strengthened the BJP's election strategy. Infiltration and corruption pose challenges for the Trinamool Congress. The political temperature in West Bengal appears to be reaching a boiling point. Chief Minister Mamata Banerjee is protesting the Enforcement Directorate (ED) raid on the Kolkata-based office of political consultancy firm IPAC in connection with a money laundering case. Mamata alleges that the BJP is using the ED to seize internal party data by raiding the home of the Trinamool Congress's IT chief. In this context, Home Minister Amit Shah's recent three-day visit to Bengal was crucial for the BJP electorally. He clarified the party's issues through a press conference, held meetings with MPs, MLAs, and key leaders, and interacted with workers. Amit Shah, like Prime Minister Modi, conveyed the message of forming a government in Bengal, stating that the people of Bengal are determined to form a strong government based on development, legacy, and welfare of the poor, instead of the politics of fear, corruption, misgovernance, and infiltration. Congress originated in Bengal, but today it is at zero, and even the Left Front, which ruled for 34 years, failed to win a single seat in the last assembly elections. In contrast, the BJP emerged as the main opposition party with 41 percent of the vote and 77 seats. While the BJP's seat count may have declined in the 2024 Lok Sabha elections compared to 2019, its 39 percent vote share and 12 seats indicate that it has developed a solid support base parallel to the Trinamool Congress. Therefore, the BJP's claim of forming a government in this year's assembly elections cannot be dismissed as mere exaggeration. Although the BJP contested the 2021 elections with similar confidence, it lagged far behind the Trinamool Congress. The political climate in Bengal has changed significantly compared to 2021.

Events in have impacted the border state, the Bengal. In Bengal, of Muslim voters anti-BJP, left- the strength of the generally believed Bengal is possible division within the polarization of the BJP. Trinamool, aggressive stance is neither issuing staging any major violence in against Hindus. Aadhaar cards and 24 Parganas region outside Bengal in

neighboring Bangladesh entire country. Being a impact is even greater in approximately 30 percent and a large segment of leaning voters have been Trinamool Congress. It is that a change of power in only if there is a deep Muslim vote or a broad Hindu votes in favor of which has adopted an against the government, sharp statements nor protests against the Bangladesh, particularly The discovery of voter ID cards from the on infiltrators caught the past few years has

confirmed that infiltration from Bangladesh occurred during the Left Front and then Mamata Banerjee governments. Even during the Special Intensive Review (SIR), many infiltrators were found to claim they had been living here for a long time and possessed identity cards. They also admitted to voting. This was not the case in 2021. Despite this, Mamata Banerjee's denial of this fact and questioning Home Minister Amit Shah about whether he orchestrated the Pahalgam terrorist attack can only be acceptable to staunch opponents of the BJP. Everyone knows that the situation in Jammu and Kashmir is linked to Pakistan-sponsored terrorism, and the Pahalgam attack was part of that. Infiltration can be stopped by imposing a strict cordon on the Bengal border. Amit Shah has also stated that such a cordon will be put in place that not a single infiltrator will be able to enter. In an effort to consolidate Muslim votes, Mamata Banerjee appears to be taking the same steps she opposed during the Left rule. The violence against non-Muslims, especially Hindus, and rising fundamentalism in Bangladesh have forced Hindu voters to reconsider. Against this backdrop, the laying of the foundation stone of the Babri Masjid in Murshidabad by Humayun Kabir, the large gatherings there every Friday, along with the flow of large sums of money, have given rise to a rethinking sentiment among Hindu voters. During the last assembly elections, Mamata Banerjee recited the Chandi Paath from the stage to portray herself as a devout Hindu. This time, too, there have been hints of the construction of Durga Angan and the Mahakal Temple in Siliguri before the elections. This suggests that Mamata Banerjee has sensed the changed political climate and is adopting a strategy of partial polarization to prevent a large-scale shift of Hindu votes to the BJP. Issues such as the state-sponsored corruption cases that surfaced during Mamata's government, the suppression of opponents, allegations of exploitation of women from RG Kar Medical College to Sandeshkhali, the promotion of Muslim fundamentalism, unemployment, migration, and the slow pace of development are all working against the Trinamool Congress. Consequently, the BJP appears poised to give it a tough fight this time.

Corruption in MNREGA, looting in the name of providing employment to the poor

An internal audit by the Ministry of Rural Development has revealed widespread corruption in MNREGA. In the current financial year, more than 1.1 million financial irregularities were detected in 55 districts, involving embezzlement of over ?300 crore. This indicates that widespread embezzlement employment to the poor, bank managers. The new emphasizes transparency, cases of corruption in Rural Development's conducted in just 55 revealed over 1.1 million embezzlement of over ?300 many irregularities were just 55 districts in eight more than 700 districts were being looted in the one was there to stop it. contractors to officials to corruption under the guise

was taking place in the name of providing involving contractors, officials, and even form of the central government but states must also show seriousness. The MNREGA revealed by the Ministry of internal audit are shocking. Audits districts in the current financial year cases of financial irregularities, involving crore. One can only imagine that if so found in MNREGA works carried out in months, what would the situation be in across the country? It's clear that the poor name of providing employment, and no The way it emerged that everyone from bank managers were involved in the of public welfare clearly demonstrates the development of a system for misappropriation of government funds. While questions were occasionally raised about how much substantial infrastructure development work was being carried out under MNREGA, they were never addressed. Similarly, the question of how long would pits continue to be dug and filled in the name of employment remained unanswered. Those seeking answers to such questions often expressed disapproval of the scheme's upliftment of the poor. Suggestions for changes to MNREGA were often ignored because Mahatma Gandhi's name was associated with it. Recently, when the Modi government changed both the name and the format of the scheme, protests were also made, claiming that the government harbored a grudge against Gandhiji's name. Naturally, the Congress and other opposition parties protested the most, but they had no answers to questions about corruption. Could it be that state governments were ignoring the corruption in MNREGA because the central government's contribution under the scheme was 90 percent? Whatever the truth, it should not be overlooked that state governments generally lack seriousness in implementing schemes funded by the central government. Such schemes are also more prone to corruption. In our country, the practice of embezzling funds under various government schemes by showing work on paper and then stealing the money is a chronic problem. It is unfortunate that this disease has not been eradicated. It is true that under the new form of MNREGA, VB-Jiramji, the central government has emphasized solid foundational work with transparency in payments, but states must also ensure that this is actually happening.

भाजपा का झंडा लगी गाड़ी में सवारी, खनन रोकने गए तहसीलदार पर भारी, डीएम ने रोका वेतन...जांच शुरू

ठाकुरद्वारा के तहसीलदार प्रवीण कुमार के अवैध खनन रोकने के दौरान भाजपा का झंडा लगी गाड़ी के इस्तेमाल का वीडियो वायरल हो रहा है। इस पर डीएम अनुज सिंह ने तहसीलदार का वेतन रोकते हुए जांच एडीएम फाइनेंस को सौंपी है। तहसीलदार का दावा है कि उनकी सरकारी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद उन्होंने लिफ्ट ली थी। ठाकुरद्वारा के तहसीलदार प्रवीण कुमार द्वारा अवैध खनन की रोकथाम के सफर में भाजपा नेता की गाड़ी के इस्तेमाल को प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। भाजपा का झंडा लगी गाड़ी से उतरते तहसीलदार का वीडियो वायरल होने पर डीएम अनुज सिंह ने प्रवीण कुमार का वेतन रोकते हुए एडीएम फाइनेंस को मामले की जांच सौंप दी।एडीएम फाइनेंस ममता मालवीय ने बताया कि जांच के क्रम में ठाकुरद्वारा के तहसीलदार को सोमवार को तलब किया है। बयान दर्ज किए जाएंगे। तहसीलदार के कारनामे का वीडियो दो दिन से वायरल है। तहसीलदार ने बताया कि नो एंट्री में काशीपुर (उत्तराखंड) से खनन के डंपर आने की सूचना पर वह चेकिंग के लिए निकले थे। चेकिंग में दो डंपर पकड़ लिए थे। तहसीलदार के मुताबिक कार्रवाई के बाद लौटते समय उनकी सरकारी गाड़ी कोहरे में पेड़ से टकरा गई। इस दौरान वहां से गुजर रही एक गाड़ी से लिफ्ट ली थी। उसी गाड़ी पर भाजपा का झंडा लगा था। इस मामले में वह डीएम से मुलाकात करके अपनी सफाई पेश कर चुके हैं। दूसरी ओर भाजपा की झंडा लगी गाड़ी का खनन जैसे संवेदनशील मामले में इस्तेमाल इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। प्रकरण संज्ञान में आने पर डीएम ने तहसीलदार प्रवीण कुमार का वेतन रोक दिया। डीएम के निर्देश पर एडीएम फाइनेंस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवार को मुरादाबाद में पेश होकर तहसीलदार को बयान दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। जानकारों का मानना है कि इस मामले में तहसीलदार पर गाज गिरना लगभग तय है। बड़ा सवाल, गाड़ी खराब होने पर पुलिस की क्यों नहीं मांगी मदद – खनन जैसे संवेदनशील मामले में चेकिंग की प्रक्रिया के दौरान तहसीलदार द्वारा भाजपा का झंडा लगी गाड़ी के प्रयोग से कई सवाल खड़े हो गए हैं। बड़ा सवाल यह है कि चेकिंग से लौटते समय सरकारी गाड़ी खराब होने की बात सच है तो तहसीलदार ने स्थानीय पुलिस या एसडीएम से मदद क्यों नहीं मांगीं। जबकि फोन नंबर 112 डायल करके आम लोग भी मुसीबत में पुलिस की मदद ले लेते हैं। सवाल यह भी है कि अवैध खनन विरोधी छापे या चेकिंग के लिए निकलते समय तहसीलदार ने क्या संबंधित थाने की पुलिस को साथ नहीं लिया था। जबकि पूर्व में इस तरह की जांचों में खनन माफिया की तरफ से हमले की घटनाएं मंडल में हो चुकी हैं। ऐसे में बिना सुरक्षा अवैध खनन पकड़ने की बात कितनी व्यावहारिक है, इसका स्पष्ट जवाब फिलहाल तहसीलदार की तरफ से नहीं आया है।

सीएलएफ समूह के निरीक्षण में मिली अनियमितता कारण बताओ नोटिस जारी

मुख्य विकास अधिकारी गुलाब चंद्र ने शनिवार को नारखेड़ी में गठित सीएलएफ समूह का स्थलीय

निरीक्षण किया। सीएलएफ समूह के निरीक्षण में भारी अनियमितता मिलीं तो बीएमएम को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और उनका मानदेय भी रोकने के निर्देश दिए गए हैं।निरीक्षण के दौरान सहायक विकास अधिकारी स्वार, सहायक विकास अधिकारी बिलासपुर, संबंधित बीएमएम होविंदर सिंह व राजेंद्र सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने निरीक्षण पाया कि ग्राम पंचायत शिवपुरी में सीएलएफ को घर से संचालित हो रहा है। अभिलेखों का रखरखाव अच्छी स्थिति में नहीं पाया गया। मानक के अनुरूप रजिस्टर उपलब्ध नहीं पाए गए। स्वयं सहायता समूह को दिए गए फंड के सापेक्ष समूहों से की गई रिकवरी से संबंधित कोई रिकॉर्ड नहीं पाया गया। न ही समूहों की बैठकों के दौरान कार्यवाही रजिस्टर पर संबंधित समूह के सदस्यों के हस्ताक्षर पाए गए। सीएलएफ में फर्नीचर खरीदने के लिए जो धनराशि दी गई थी उससे फर्नीचर भी नहीं खरीदा गया। इसके अलावा ना ही सीएलएफ मैनेजर या लेखाकार को रखा गया है। संबंधित बीएमएम द्वारा स्वयं सहायता समूहों का निरीक्षण नहीं किया गया। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत शिवपुरी के बीएमएम होविंद्र सिंह एवं ग्राम पंचायत नरखेड़ी के वीएमएम राजेंद्र द्वारा समूहों के कार्य कलापो के संबंध में जानकारी करने पर उनके द्वारा कोई संतोषजनक त्तर नहीं दिया गया। इनके दारा अपने कार्यों में लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है। इसके बाद संबंधित बीएमएम को कारण बताओ नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही अग्रिम आदेशों तक संबंधित बीएमएम का मानदेय रोके जाने के निर्देश दिए गए।

मकर संक्रांति पर 22 वर्ष बाद बन रहा एकादशी का महासंयोग

मुरादाबाद । इस बार 22 वर्ष बाद मकर संक्रांति और एकादशी का दुर्लभ व अत्यंत शुभ संयोग एक ही दिन बन रहा है। ज्योतिष एवं धर्मशास्त्रों के अनुसार जब संक्रांति और एकादशी एक साथ आती हैं तो इसका फल अक्षय पुण्य देने वाला माना जाता है। विशेष योग में किए गए जप, तप, दान और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, जिसे उत्तरायण की शुरुआत कहा जाता है। उत्तरायण को देवताओं का दिन माना गया है, इसलिए इस काल में किए गए पुण्य कर्म विशेष फलदायी होते हैं। वहीं एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होती है, जो मोक्षदायिनी और पापों का नाश करने वाली मानी जाती है। ज्योतिषाचार्य दीपक कृष्ण उपाध्याय के अनुसार सूर्य देव 14 जनवरी को दोपहर 3 बजकर 7 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसी समय से मकर संक्रांति का आरंभ माना जाएगा, इसलिए त्योहार इसी दिन मनाना शास्त्रसम्मत है। उन्होंने बताया कि महापुण्य काल दोपहर 3ः07 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। इस अवधि में दान, स्नान और पूजा करना विशेष फल प्रदान करेगा। मकर संक्रांति के दिन गुड़ के लड्डू, खिचड़ी, तिल, गुड़, चावल, उड़द, कंबल और वस्त्रों का दान अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। ज्योतिषाचार्य ने स्पष्ट किया कि संक्रांति और एकादशी एक साथ होने के कारण चावल दान को लेकर जो भ्रांति प्रचलित है, वह निराधार है। विष्णु पुराण के अनुसार चावल का दान दोषरहित है, इसलिए श्रद्धालु निसंकोच दान कर सकते हैं। निरोगी रहने के लिए करें यह उपाय- दीपक कृष्ण उपाध्याय के अनुसार दीर्घायु और निरोगी जीवन के लिए इस दिन औषधि, तेल और आहार का दान करना विशेष लाभकारी होता है। साथ ही स्नान, जप, तप, श्राद्ध और तर्पण का भी विशेष महत्व बताया गया है। भगवान विष्णु को करें अर्पित- एकादशी के अवसर पर भगवान विष्णु की विशेष पूजा का विधान है। भगवान को पीले रंग की वस्तुएं अति प्रिय हैं, इसलिए पूजा के दौरान पीले फूल, पीले फल और पीले वस्त्र अर्पित करना शुभ माना जाता है। इस महासंयोग में विधि-विधान से की गई पूजा भक्तों को आध्यात्मिक शांति और पुण्य फल प्रदान करती है।

वाह रे मुरादाबाद... हेलमेट नहीं लगाया, 67 हजार हेलमेट की कीमत का जुर्माना चुकाया, हादसों में 150 की जान गई

मुरादाबाद में लगातार हादसों और चालान के बावजूद दोपहिया वाहन चालक हेलमेट की अनदेखी कर रहे हैं। वर्ष 2025 में बिना हेलमेट पकड़े गए 113285 चालकों से 5.69 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया है। इससे करीब 66991 आईएसआई हेलमेट खरीदे जा सकते थे।रोजाना हादसों में लोगों की जान जाने के बाद भी दोपहिया वाहन चालक हेलमेट की उपयोगिता नहीं समझ रहे हैं। बीते साल भर में पुलिस ने 1,13285 लोगों को बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाते पकड़ा। इन लोगों ने 5.69 करोड़ रुपये का जुर्माना भरा। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक आईएसआई मार्का का एक हेलमेट 850 रुपये में आ जाता है। इस हिसाब से जुर्माने की रकम से 66,991 हेलमेट आ सकते थे। एक जनवरी से 31 दिसंबर 2025 के दौरान बिना हेलमेट लगाए दोपहिया वाहन दौड़ाने वालों से 5.69 करोड़ रुपये बतौर जुर्माना वसूले गए। कई लोग तो ऐसे हैं, जिनका कई-कई दफा चालान हो चुका है लेकिन हेलमेट फिर भी नहीं ले रहे हैं। बिना हेलमेट पहली बार पांच सौ रुपये का चालान होता है। उसी व्यक्ति के गलती दोहराने पर चालान की राशि एक हजार रुपये हो जाती है। तीन बार चालान होने के बाद फिर पुनरावृत्ति पर ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित करने का प्रावधान है। ट्रैफिक पुलिस जागरूकता अभियान और चालानों के बाद भी चालकों को हेलमेट की आदत के लिए पाबंद नहीं कर पा रही है। सवाल उन अभिभावकों पर भी है, जो अपने बेटे-बेटियों को शौक और स्टेटस के लिए बाइक-स्कूटर तो थमाते हैं लेकिन हेलमेट की गंभीरता नहीं समझाते।हमारी-आपकी गलतियों ने भरी ट्रैफिक पुलिस की झोली- यातायात पुलिस के मुताबिक एक जनवरी से लेकर 31 दिसंबर 2025 के बीच बिना हेलमेट के मामलों समेत ड्राइविंग के दौरान की अन्य लापरवाहियों में 2.30 लाख से अधिक चालान किए गए। इनसे पुलिस ने 5.90 करोड़ रुपये से अधिक (कुल पांच करोड़ 90 लाख 97 हजार 50) जुर्माना राशि वसूल की है। इनमें बिना हेलमेट वालों के साथ-साथ ट्रिपिल राइडिंग, ओवर स्पीड, रॉन्ग साइड से वाहन दौड़ाने, सीट बेल्ट की अनदेखी, मोबाइल पर बात करते ड्राइविंग समेत अन्य नियमों की अनदेखी के मामले हैं। एक साल में 31062 चालान नो पार्किंग में- शहर में लोग जहां-तहां वाहन खड़े कर देते हैं, जिस कारण यातायात पुलिस की ओर से 31 हजार से ज्यादा चालान नो पार्किंग में वाहन खड़े करने पर किए गए हैं।हेलमेट होता तो बच सकती थी 150 लोगों की जिंदगी-मुरादाबाद जिले में एक साल में 550 से ज्यादा सड़क हादसे हुए। जिसमें करीब 300 लोगों की जिंदगी खत्म हो गई जबकि 520 लोग घायल हुए। मरने वाले अधिकांश लोग बाइक सवार रहे हैं। 150 लोगों के सिर में चोट लगने की वजह से मौत हुई है। इन लोगों ने हेलमेट नहीं पहन रखा था अगर इन लोगों ने हेलमेट पहना होता तो शायद इनकी जिंदगी बच सकती थी।यातायात के नियम किसी को परेशान करने के लिए नहीं बल्कि लोगों की जान बचाने के लिए बनाए गए हैं। हेलमेट या सीट बेल्ट को बोझ नहीं समझना चाहिए। यह ड्राइविंग के समय के सुरक्षा कवच हैं। लोग नियम मानेंगे तो दुर्घटनाएं कम होंगी। नियम तोड़ने वालों पर आगे भी चालान की कार्रवाई जारी रहेगी। – सतपाल अंतिल,एसएसपी

चालान के आंकड़े (कारण व संख्या)

कारण	संख्या
बिना हेलमेट	1,13,285
बिना सीट बेल्ट	4,771
मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना	1,342
ओवर स्पीड	4,836
दो पहिया वाहन पर तीन सवारी	10,265
बिना ड्राइविंग लाइसेंस वाहन चलाना	21,637
वायु एवं ध्वनि प्रदूषण	9,502
नो पार्किंग	31,062
बिना बीमा	6,399
बिना नंबर प्लेट	4,426
सीज किए गए वाहन	1,531
अन्य यातायात नियम तोड़ना	22,618
कुल चालान	**2,30,898**
कुल जुर्माना (₹)	**5,90,97,050**

संक्षिप्त समाचार

जलते अलाव में की थिनर डालने की गलती, आग भड़की तो झुलसा युवक

मुरादाबाद । कटघर थाना क्षेत्र अंतर्गत करूला इलाके में एक युवक आग से झुलस गया। झुलसे युवक के परिवार वालों ने बताया कि शुक्रवार की रात बढ़ी गलन में मोहल्ले में ही बने एक शादी हॉल के पास जल रही आग में हाथ ताप रहा था।तभी मोहल्ले के रहने वाले ही एक युवक ने जलती आग में ऊपर से थिनर की बोतल डाल दी जिसके बाद आग एक विस्फोट हुआ जिससे पीड़ित गंभीर रूप से झुलस गया। परिजनों उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। करूला निवासी फुरकान को उसके परिजनों ने जिला अस्पताल में झुलसी हुई हालत में भर्ती कराया। जहां फुरकान ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ एक शादी के मंडप के पास आग सेंक रहा था। इसी दौरान उसके एक दोस्त ने जलती आग में थिनर की बोतल डाल दी। जिससे आग की लपटें अचानक तेज हो गईं। आग की चपेट में आने से फुरकान बुरी तरह झुलस गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में फुरकान को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। सूचना मिलने पर कटघर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस जानकारी होने पर मौके पर गई थी और जिला अस्पताल भी युवक से बात की थी लेकिन पीड़ित की ओर से कोई तहरीर नहीं मिली है। फिलहाल परिजन युवक का इलाज कराने मेरठ गए हैं।

हिंदू देवी-देवताओं पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला तालिब गिरफ्तार

मुरादाबाद । सोशल मीडिया पर हिंदू देवी-देवताओं के संबंध में आपत्तिजनक सामग्री वायरल करने के मामले में थाना मैनाठेर पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। शनिवार को प्रभारी निरीक्षक मैनाठेर कोतवाली किरण पाल सिंह ने बताया कि आरोपी तालिब अली पुत्र छुन्नन, निवासी अलीनगर, थाना सोनकपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी तालिब ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदू देवी के संबंध में आपत्तिजनक एवं धार्मिक भावनाएं आहत करने वाली सामग्री अपलोड की थी।जिसको लेकर 9 जनवरी को राहुल चौधरी निवासी नसीरपुर, थाना मैनाठेर ने इस संबंध में तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी के दौरान घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन भी पुलिस ने कब्जे में लिया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिलाअधिकारी ने विभिन्न बूथों का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । विधानसभा निर्वाचक नामावली विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत बूथों पर निर्वाचक नामावलियो कि अंन्तिम सूची को आमजन को बीएलओ द्वारा पढ़ कर सुनाया गया। उक्त कार्य का जिलाअधिकारी अविनाश सिंह व जिला निर्वाचन अधिकारी ने कई बूथों पर जाकर स्वयं निरीक्षण किया जिलाधिकारी द्वारा हाफिज सद्दीकी इण्टर कॉलेज ,रविन्द्र नाथ टैगौर इण्टर कॉलेज, आर्य पुत्री इण्टर कॉलेज, सरस्वती शिशु मंदिर कॉलेज तथा साहू गोपी नाथ कन्या इण्टर कॉलेज में बूथों पर जाकर बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। विधानसभा निर्वाचक नमावली की अंन्तिम सूची का प्रकाशन विगत दिनांक 06 जनवरी 2026 को कर दिया गया था तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को भी ड्राफ्ट की सूची दे दी गयी है और यह सूची ऑनलाइन भी उपलब्ध है, जिसे कोई भी मतदाता डाउनलोड कर देख सकता है। दावा-आपत्ति आगामी 06 फरवरी 2026 तक की जा सकती है। नोटिस चरण और दावों/आपत्तियों का निस्ताण 06 जनवरी 2026 से 27 फरवरी 2026 तक होगा और अंतिम मतदाता सूची 06 मार्च 2026 को प्रकाशित की जाएगी। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि उक्त के अतिरिक्त 01.01.2026 के आधार पर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे नवयुवा अथवा ऐसे अर्ह मतदाता जिनका नाम आलेख्य निर्वाचक नामावली में सम्मिलित नहीं है उनके द्वारा अपना नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित करने हेतु बीएलओ से निर्धारित प्रारूप-6 प्राप्त कर अपना आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर बूथों पर ईआरओगण, सुपरवाइजर, बीएलओ. सहित आमजन उपस्थित रहे ।

बरेली में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) की परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिला) पद की मुख्य परीक्षा रविवार को जिले भर में शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा एक ही पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कराई गई, जिसमें कुल 10,152 पंजीकृत अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

परीक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद रहा। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए 22 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। नकल और किसी भी तरह की अनियमितता रोकने के लिए केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी गई, जिससे परीक्षा निर्विघ्न संपन्न हो सकी।

परीक्षा के दौरान बरेली कॉलेज परिसर में सबसे अधिक परीक्षार्थियों की मौजूदगी देखी गई, जहां कुल पांच परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे। इसके अतिरिक्त बरेली इंटर कॉलेज, सीबीगंज इंटर कॉलेज, एफआर इस्लामिया इंटर कॉलेज (ब्लॉक ए व बी), जीजीआईसी, जीआईसी तथा इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज में भी परीक्षा आयोजित की गई।

केपीआरसी कला केंद्र, कुंवर रंजीत सिंह इंटर कॉलेज, एमबी इंटर कॉलेज, मौलाना आजाद इंटर कॉलेज, एसवी इंटर कॉलेज, साहू गोपीनाथ कन्या इंटर कॉलेज, श्री गुरु गोविंद सिंह इंटर कॉलेज, पीसी आजाद इंटर कॉलेज, तिलक इंटर कॉलेज और विष्णु इंटर कॉलेज को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया था।

परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश से पहले बायोमीट्रिक जांच से गुजरना पड़ा। परीक्षा कक्षों में भी कड़ी निगरानी रखी गई। अधिकारियों के अनुसार परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार बेहद ही चिंताजनक, भारत सरकार करे वैश्विक हिंदुओं की रक्षा 9 प्रवीण तोगड़िया

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने बरेली में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बांग्लादेश सहित विभिन्न देशों में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचारों को गंभीर और दुखद बताया। उन्होंने कहा कि दिनदहाड़े हिंदुओं की हत्या की जा रही है, बहन-बेटियों पर अत्याचार हो रहे हैं और यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि जैसे अमेरिका ने नाइजीरिया में ईसाइयों पर हुए हमलों के बाद सेना भेजकर कार्रवाई की, उसी प्रकार भारत सरकार को भी दुनिया भर में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों ह्ह्द्ग की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। धर्मांतरण पर जताई चिंता धर्मांतरण के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश में बड़ी संख्या में हिंदुओं का धर्मांतरण ईसाई और मुस्लिम समुदायों में हो रहा है। उन्होंने इसे एक गंभीर सामाजिक समस्या बताते हुए कहा कि जहां भी ऐसी कोई घटना सामने आए, वहां हिंदुओं को एकजुट होकर इसका विरोध करना चाहिए और समाज की रक्षा करनी चाहिए। जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग जनसंख्या कानून को लेकर प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि एक देश में दो अलग-अलग कानून नहीं चल सकते। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुओं के दो से अधिक बच्चे होने पर कई सरकारी सुविधाएं बंद हो जाती हैं, जबकि मुसलमानों पर ऐसे नियम लागू नहीं होते। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कानून सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। उनके अनुसार, यदि कानून बनने के एक वर्ष बाद किसी परिवार में निर्धारित सीमा से अधिक बच्चे जन्म लेते हैं, तो उस परिवार को सरकारी सुविधाएं, सरकारी स्कूलों में प्रवेश, सरकारी नौकरियां और अन्य लाभ नहीं मिलने चाहिए। बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर बयान बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि 1991 की मतदाता सूची को आधार बनाकर जांच होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि यदि सख्त जांच प्रक्रिया अपनाई जाए तो देश से अवैध घुसपैठ की समस्या पर काबू पाया जा सकता है। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद हिंदुओं की सुरक्षा, अधिकारों और संस्कृति की रक्षा के लिए निरंतर आवाज उठाती रहेगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल की श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे ,भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित कई अन्य दिग्गज नेता

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी रविवार को बरेली पहुंचे। रामपुर से सड़क मार्ग के जरिए झुमका तिराहे पर वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार, भाजपा महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना समेत पार्टी पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

प्रदेशअध्यक्ष पंकज चौधरी काफिले के साथ फरीदपुर रोड स्थित सत्संग भवन पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल की श्रद्धांजलि सभा में शिरकत की। उन्होंने दिवंगत विधायक के पुत्र से मुलाकात कर शोक संवेदना जताई और परिवार को ढांढस बंधाया। साथ में झारखंड राज्यपाल संतोष गंगवार और कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना भी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का बरेली में आयकर विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक और सर्किट हाउस में ठहराव का कार्यक्रम भी तय था, लेकिन ऐन वक्त पर उनके दौरे में बदलाव हो गया। रामपुर से सीधे बरेली पहुंचने के बाद वे झुमका तिराहे से फरीदपुर रवाना हो गए और श्रद्धांजलि सभा के बाद लखनऊ के लिए रवाना हो गए। दिवंगत विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल की श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश भर के कई दिग्गज नेता शामिल हुए। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार और उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना सभा में पहुंचे और दिवंगत नेता को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। स्थानीय लोगों की भी भारी भीड़ उमड़ी और सभी ने दिवंगत विधायक के प्रति अपनी श्रद्धांजलि व्यक्त ki

लापता युवक सीवीगंज पुलिस को मिला सुरक्षित : परिजनों को सौंपा

परिवार के चेहरों पर लौटी मुस्कान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली = सीबीगंज थाना क्षेत्र से बीते 23 दिनों से लापता चल रहे 20 वर्षीय युवक दीपक मौर्य को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। युवक के सुरक्षित मिलने के बाद परिवार में खुशी का माहौल है और परिजनों ने पुलिस की सक्रियता और प्रयासों की सराहना की है।

जानकारी के अनुसार, सरनिया गांव निवासी मुकेश मौर्य ने 24 दिसंबर को थाना सीबीगंज में अपने बेटे दीपक मौर्य के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि दीपक 23 दिसंबर को घर से बिना किसी को बताए निकल गया था और काफी देर तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर खोजबीन की, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं मिला।

गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर थाना सीबीगंज पुलिस ने युवक की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की। पुलिस द्वारा संभावित स्थानों पर दबिश दी गई, आसपास के इलाकों में पूछताछ की गई और तकनीकी व मानवीय सूचनाओं के आधार पर युवक की खोज जारी रखी गई।

पुलिस को 23वें दिन बड़ी सफलता मिली और लापता युवक दीपक मौर्य को सकुशल बरामद कर लिया गया।आवश्यक कानूनी कार्रवाई और औपचारिकताओं के बाद पुलिस ने युवक को उसके पिता के सुपुर्द कर दिया।

बेटे के सुरक्षित मिलने पर परिवार ने राहत की सांस ली। परिजनों ने थाना सीबीगंज पुलिस व वरिष्ठ अधिकारियों का आभार जताते हुए कहा कि पुलिस की मेहनत लग्न की वजह से उन्हें उनका बेटा सकुशल मिल सका ।

मेगा फूड पार्क को बाढ़ से बचाने को बांध के लिए जमीन खरीद की कवायद तेज

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। औद्योगिक आस्थान मेगा फूड पार्क को बाढ़ से सुरक्षा देने के लिए किच्छा नदी पर मार्जिनल बांध बनाया जाएगा। मार्जिनल बांध 1.9139 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा। भूमि खरीद करने से पहले राजस्व, यूपीसीडा और बाढ़ खंड के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से भूमि का सर्वे पूरा कर लिया है। अब लघु परियोजना की क्रय की दर और भूमि मूल्य अनुमोदन करने के लिए समिति गठित करने की कवायद शुरू हुई है, जिससे बाढ़ खंड को 31 जनवरी तक भूमि उपलब्ध कराई जा सके।

किच्छा नदी में अक्टूबर, 2021 में आई बाढ़ से मेगा फूड पार्क में जलभराव एवं बाढ़ की समस्या उत्पन्न हो गयी थी। इसके मद्देनजर उप्र बाढ़ नियंत्रण परिषद की तकनीकी सलाहकार समिति ने मार्जिनल बांध निर्माण की सलाह दी थी। अब मार्जिनल बांध निर्माण के लिए भूमि खरीदी जानी है। मार्जिनल बांध निर्माण के लिए 2750 मीटर लंबाई और 25 मीटर चौड़ाई में भूमि की आवश्यकता बताई गई थी, लेकिन अभी तक भूमि उपलब्ध नहीं कराई गई है। पत्र लिखकर 31 जनवरी तक भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। इसके बाद मार्जिनल बांध निर्माण के लिए जमीन चिह्नित करने की कवायद शुरू हुई है। यूपीसीडा ने किच्छी नदी पर मार्जिनल बांध निर्माण के लिए ग्राम भिकारीपुर के किसानों की 0.5557 हेक्टेयर भूमि और ग्राम मुड़िया मुकर्रमपुर के किसानों की 1.3582 हेक्टेयर मिलाकर कुल 1.9139 हेक्टेयर भूमि का मूल्य निर्धारित करते हुए भूमि क्रय करने का प्रस्ताव रखा गया है। यूपीसीडा की ओर से अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को लिखे पत्र में कहा गया है कि तहसीलदार बहेड़ी की अध्यक्षता में राजस्व, यूपीसीडा और बाढ़ खण्ड के सहायक अभियंता की संयुक्त टीम ने किसानों से क्रय की जाने वाली भूमि का सर्वे कर लिया है। क्रय दर निर्धारण व कुल भूमि मूल्य अनुमोदन के लिए समिति गठित की जानी है। जारी शासनादेश की व्यवस्था के अनुसार 10 करोड़ रुपये तक से भूमि क्रय करने के लिए जनपद स्तर पर एडीएम फाइनेंस की अध्यक्षता में विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, सहायक महानिरीक्षक निबन्धन, एसडीएम बहेड़ी, सब रजिस्ट्रार बहेड़ी, बाढ़ खण्ड अधिशासी अभियंता, प्रमुख वरिष्ठ प्रबंधक (सिविल) यूपीसीडा को शामिल करते हुए समिति गठन को अनुमति देने का आग्रह किया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

कासगंज तक विस्तार में अभी देरी, बरेली से गड़बड़ा रहा इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन

बरेली-दिल्ली के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस का संचालन गड़बड़ा रहा है। रविवार को यह ट्रेन बरेली जंक्शन से 1=40 घंटे की देरी से रवाना हुई। बरेली-दिल्ली के बीच चलने वाली 14315-16 इंटरसिटी एक्सप्रेस को कासगंज तक विस्तार दे दिया गया है, लेकिन अभी कासगंज से वाया बदायूं, बरेली-दिल्ली के बीच गाड़ी के संचालन की तारीख तय नहीं हुई है। विस्तार से पहले ही गाड़ी समय सारिणी की पटरी से उतर गई है। रविवार को भी इंटरसिटी एक्सप्रेस को 1=40 घंटे की देरी से चलाया जा सका।इंटरसिटी एक्सप्रेस पर बड़ी संख्या में दैनिक यात्री निर्भर हैं। कभी कोच खराब होने तो कभी अन्य तकनीकी कारणों से ट्रेन को रिशेड्यूल करना पड़ रहा है। शुक्रवार को ट्रेन के जंक्शन से चलने से पहले डी-1 एसी चेयरकार कोच में तकनीकी खराबी आ गई। इससे पहले भी जर्जर कोचों में तकनीकी खराबी के कारण कई बार यात्रियों को समस्या हो चुकी है। एसी श्रेणी का टिकट लेकर यात्री स्लीपर और सामान्य श्रेणी के कोच में यात्रा करने को मजबूर हो रहे हैं। रविवार को तकनीकी कारणों से ट्रेन को देर से चलाया गया।इस गाड़ी के बरेली से छूटने का समय सुबह 4=55 बजे है। रविवार को 6=30 बजे ट्रेन चल सकी। यात्रियों की शिकायत पर रेलवे अधिकारियों ने रैक आने में देरी का हवाला दिया है। रविवार को ट्रेन अपने निर्धारित समय से 2=18 घंटे देरी से दोपहर 12=38 बजे दिल्ली पहुंच सकी।

पुरानी रैक पर कासगंज तक विस्तार, बढ़ेगी यात्रियों की समस्या इंटरसिटी एक्सप्रेस पुरानी रैक पर बरेली-दिल्ली के बीच एक ओर से 266 किलोमीटर की दूरी तय करती है। कासगंज तक विस्तार के बाद एक ओर की कुल दूरी में 86 किलोमीटर और शामिल हो जाएगा। ऐसे में पुरानी रैक पर कासगंज तक विस्तार के बार यात्रियों की समस्या और बढ़ेगी। बरेली-भुज एक्सप्रेस का फिलहाल लखनऊ तक विस्तार नहीं - 14311-12 और 14321-22 बरेली-भुज एक्सप्रेस का वाया पीलीभीत, मैलानी, लखीमपुर खीरी, सीतापुर होते हुए लखनऊ तक विस्तार पर पांच जनवरी को रेलवे ने सफाई दी और बताया कि फिलहाल सिर्फ रूट सर्वे कराया गया है। इस गाड़ी को लखनऊ तक विस्तार का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है।

हावड़ा-आनंद विहार के बीच दौड़ेगी अमृत भारत एक्सप्रेस, बरेली और शाहजहांपुर में भी होगा स्टॉप

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रेलवे बोर्ड ने हावड़ा-आनंद विहार के बीच 13065-66 अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन को मंजूरी दे दी है। इस गाड़ी का ठहराव बरेली जंक्शन पर भी होगा। हावड़ा से यह गाड़ी प्रत्येक बृहस्पतिवार और आनंद विहार से प्रत्येक शनिवार को चलेगी। यह हावड़ा-आनंद विहार के बीच 1440 किलोमीटर दूरी 27=40 घंटे में 52 किमी प्रति घंटे की औसत रफ्तार से पूरी करेगी। इससे पहले रेलवे ने जुलाई 2025 में 15567-68 मोतिहारी बापूधाम-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस का संचालन शुरू किया था। इसे बरेली में भी ठहराव दिया गया है। सितंबर 2025 में 14628-27 अमृतसर-सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस चलाई गई, पर इसका बरेली में ठहराव नहीं है। 25 स्टेशनों पर दिया जाएगा ठहराव हावड़ा-आनंद विहार अमृत भारत एक्सप्रेस को बंदेल, बर्द्धमान, दुर्गापुर, आसनसोल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, एनएससीबी गोमो, धनबाद, वाराणसी, जौनपुर सिटी, सुल्तानपुर, महाराजा बिजली पासी, लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, गजरौला, हापुड़ और गाजियाबाद स्टेशनों पर ठहराव दिया गया है।

केंद्रीय मंत्री श्रीमंत सिंधिया ने शिवपुरी को111 करोड़ की ऐतिहासिक सौगात दी, भू-माफियाओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश।

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / राजकुमार शर्मा / शिवपुरी।केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और सांसद श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को शिवपुरी में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिले के सर्वांगीण विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण और दूरगामी घोषणाएँ कीं। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य, सिंचाई, अधोसंरचना और सुशासन से जुड़े कार्यों की गहन समीक्षा की तथा प्रशासन को स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में श्री सिंधिया ने बताया कि 17 से 24 मार्च तक शिवपुरी में देश का सबसे बड़ा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से विशेषज्ञ डॉक्टर सेवाएँ देंगे। दिव्यांगजनों के लिए अलग से विशेष शिविर आयोजित कर पंजीकरण के बाद उन्हें आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने शिवपुरी को 111 करोड़ की लागत से देश का 7वां 'रीजनल पोस्टल ट्रेनिंग सेंटर' मिलने की घोषणा करते हुए इसे जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। इस प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से प्रतिवर्ष लगभग 2,500 से 3,000 युवाओं और कर्मियों को प्रशिक्षण मिलेगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर सृजित होंगे। स्वास्थ्य व सिंचाई पर फोकस- केंद्रीय मंत्री ने जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए रिक्त पदों की पूर्ति, ऑटोमैटिक फायर सेफ्टी सिस्टम एवं जेनरेटर स्थापना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सिंचाई परियोजनाओं की समीक्षा में उन्होंने बताया कि पिछोर एवं उर सिंचाई योजना का बांध कार्य पूर्ण हो चुका है तथा नहर निर्माण 80 प्रतिशत तक पहुंच गया है। बड़ोदिया सिंचाई योजना 15 फरवरी से शुरू होकर जून तक पूर्ण की जाएगी। चांदपाठा और जाधव सागर तालाबों से जलकुंभी हटाने के लिए 'अपस्ट्रीम-टू-डाउनस्ट्रीम' मॉडल पर स्थायी कार्ययोजना लागू की जाएगी। भू-माफियाओं पर सख्ती- बैठक के दौरान श्री सिंधिया ने भू-माफियाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने के निर्देश देते हुए कहा कि छोटे मामलों में उलझने के बजाय बड़े मगरमच्छों को पकड़ा जाए, ताकि संगठित अवैध कब्जों पर प्रभावी कार्रवाई हो सके। उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी दबाव या समझौते के कार्य करने के निर्देश दिए।अधोसंरचना विकास- उन्होंने शिवपुरी ट्रांसपोर्ट नगर के लिए अप्रोच रोड निर्माण और 60 दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप शिवपुरी को मध्यप्रदेश का सबसे प्रगतिशील जिला बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। बैठक में विधायकगण, जनप्रतिनिधि, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के कैलेंडर का विमोचन भी किया गया।

रेलवे फर्जी भर्ती: पांच साल में करोड़पति बना अनिल... इंटर पास मास्टरमाइंड, परीक्षा कराने वाली एजेंसी में नौकरी

गोरखपुर में रेलवे फर्जी भर्ती का खुलासा हुआ है। फर्जी भर्ती का मास्टरमाइंड राघवेंद्र शुक्ल उर्फ अनिल पांडेय पांच साल में करोड़ों का मालिक बन गया। इंटर पास मास्टरमाइंड परीक्षा कराने वाली एजेंसी में नौकरी करता था। वहीं से बिहार के भर्ती के मामले के मास्टरमाइंड राघवेंद्र शुक्ल उर्फ हासिल कर ली। यह भी पता चला है कि इंटर पास नौकरी की। इसी दौरान वह फर्जीवाड़ा करने वाले फर्जीवाड़े में पकड़े गए दो युवकों के जरिये अनिल टीम उसकी तलाश में जुट गई।अनिल बांसगांव की टीम ने बृहस्पतिवार को अनिल पांडेय के बांसगांव आठ घंटे तक उसके भाई और अन्य से पूछताछ की की जांच-पड़ताल की। परिजनों से पूछताछ में पता से कक्षा 12वीं तक की पढ़ाई की। इसके बाद प्रवेश लिया लेकिन पढ़ाई छोड़ दी। रेलवे भर्ती बोर्ड बताया जा रहा है कि इसी बीच गांव के एक ही भर्ती बोर्ड परीक्षा कराने वाली एक एजेंसी में काम लगा। बांसगांव कस्बे में खुद को बताता था प्रॉपटी

गिरोह के संपर्क में आया।गोरखपुर में रेलवे में फर्जी अनिल पांडेय ने पांच साल में ही करोड़ों की संपत्ति अनिल ने रेलवे भर्ती की परीक्षा कराने वाली एजेंसी में बिहार के गिरोह के संपर्क में आ गया। बिहार में का नाम सामने आया तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की क्षेत्र के फुलहर गांव का रहने वाला है। प्रवर्तन निदेशालय स्थित फुलहर गांव स्थित मकान में छापा मारकर करीब थी। पूछताछ के दौरान ईडी ने आय से अधिक संपत्ति चला कि अनिल ने संस्कृत विद्यालय अम्मरपुर, बांसगांव जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज, बांसगांव में स्नातक में परीक्षा कराने वाली एजेंसी में काम करता था अनिल- एक युवक से उसकी नजदीकियां बढ़ गईं, जो रेलवे करता था। अनिल भी उसी के मार्फत नौकरी करने डीलर- सूत्रों के मुताबिक, यहीं से उसका संपर्क नौकरी में जालसाजी करने वालों से गैंग से हो गया। इसके बाद उसका गांव आना-जाना कम हो गया। जब भी वह आता तो गांव और बांसगांव कस्बे में खुद को प्रॉपटी डीलर बताता था। पांच साल के भीतर उसने कराड़ों की संपत्ति बनाई और उसका रहन-सहन भी बदल गया। गांव के लोगों का कहना है कि जब भी वह गांव आता था, लग्जरी गाड़ी में कुछ लोग के साथ रहते थे। हर बार गाड़ी भी बदल-बदल कर आता था। ईडी के छापे के बाद बांसगांव कस्बे में उसे लेकर तरह-तरह की चर्चा है। दो-तीन गांवों के कुछ युवकों के खाते में भेजता था रुपये अनिल पांडेय ने अपने गांव के अलावा दो-तीन गांवों के युवकों से संपर्क भी साधा था। जब भी वह गांव आता तो कुछ युवक उससे मिलते थे। सूत्रों के मुताबिक, वह कुछ युवकों के खाते में रुपये भेजता था और कमीशन देकर बाकी रुपये ले लेता था। ईडी ने जांच के दौरान उसके नाम के खातों के अलावा परिवार के सभी सदस्यों के खातों की फोटो कॉपी ली है। अब मिलान किया जाएगा कि रुपये कहां और कब ट्रांसफर हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कपसाड़ हत्या और अपहरण: कड़ी सुरक्षा में सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया पारस सोम, 14 दिन के लिए भेजा जेल

कपसाड़ कांड में सुनीता की हत्या और उनकी बेटी रूबी के अपहरण के मामले रविवार शाम को पारस सोम को सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। यहां से 14 दिन की रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कपसाड़ गांव में सुनीता की हत्या और बेटी रूबी के अपहरण के

मामले में पकड़े पारस सोम को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। यहां उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इस दौरान कचहरी में पुलिस बल तैनात रहा और लोगों की भीड़ रही यूपी के मेरठ जिले में सरधना स्थित गांव कपसाड़ में पारस सोम ने अपने साथियों के साथ मिलकर दलित महिला सुनीता की हत्या की थी। साथ ही उनकी बेटी रूबी का अपहरण कर लिया था। शनिवार को पुलिस ने दोनों हरिद्वार से बरामद कर लिया। रविवार को सबसे पहले एसीजेएम द्वितीय की कोर्ट में रूबी को पेश किया गया। यहां पुलिस ने चुपचाप करीब 50 मिनट तक रूबी के बयान कराए, उसके बाद पुलिस उसे अपने साथ ले गई। इसके कुछ देर बाद शाम करीब पौने पांच बजे पारस को सीजएम कोर्ट में पेश किया गया। यहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में मेरठ जिला कारागार भेज दिया गया। इस दौरान कचहरी में मीडियाकर्मियों और राजनीतिक दलों के लोगों को जमावड़ा लगा रहा। कपसाड़ हत्या और अपहरण- पारस ने कोर्ट में क्या कहा..., ये बताया वकीलों ने कपसाड़ गांव में दलित महिला सुनीता की हत्या और उनकी बेटी रूबी के अपहरण के मामले में आरोपी पारस सोम को पुलिस ने रविवार शाम सीजेएम कोर्ट में पेश किया। इस दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। पारस के बयान दर्ज किए गए। वकीलों ने बताया कि जज साहब ने पारस से उसका नाम-पता पूछा। पारस ने कहा कि वो बेकसूर है। एक वकील ने कहा कि लड़की ने पारस के फेवर में बयान दिए हैं। अब इनकी बात में कितनी सच्चाई है, ये तो सीलबंद बयान सामने आने के बाद ही पता चलेगा।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

अमरोहा में रोडरेज: कोर्ट क्लर्क की पत्नी-बच्चों के सामने पीटकर हत्या, कार से बाइक टकराने के बाद हुआ था विवाद

ओवरटेक के दौरान हुई मामूली टक्कर के बाद बाइक सवार युवकों ने कोर्ट में तैनात क्लर्क की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पत्नी और बच्चों के सामने हुई इस हो गए। परिजनों की गया है। कार ओवरटेक बाइक सवार युवकों में डिवीजन की कोर्ट में (38) की पीट- पीटकर समय वह घर से रहे थे। मौके पर पहुंची की। आरोपी घटना को गए। परिजनों ने डिडौली भी किया। पुलिस के का मुआयना किया। आरोपियों की तलाश में

घटना के बाद आरोपी फरार तहरीर पर केस दर्ज किया करते समय टक्कर के बाद सिविल जज जूनियर तैनात क्लर्क राशिद हुसैन हत्या कर दी। घटना के मुरादाबाद रिश्तेदारी में जा पुलिस ने जांच पड़ताल अंजाम देकर मौके से भाग कोतवाली पहुंचकर हंगामा साथ एसपी ने घटनास्थल फिलहाल, पुलिस जुट गई है। मृतक राशिद हुसैन अमरोहा नगर के मोहल्ला नल के रहने वाले थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा और दो बेटियां हैं। राशिद हुसैन वर्ष 2015 से जनपद न्यायालय में सिविल जज जूनियर डिवीजन की (मुंसरिम) क्लर्क थे। परिजनों के मुताबिक रविवार की दोपहर करीब तीन बजे राशिद हुसैन पत्नी रुखसार, भतीजे सलमान व तीन बच्चों के साथ कार में सवार होकर मुरादाबाद के गांव पट्टी स्थित रिश्तेदारी में जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार बंबूगढ़-जोया बाईपास पर पहुंची, तभी पीछे से आ रही बाइक सवार दो युवकों ने गलत दिशा से कार को ओवरटेक किया। इस दौरान कार और बाइक की साइड लग गई। बस इसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। लेकिन, बाइक सवार युवकों ने अपने परिजन व दोस्तों को बुला लिया और कार का पीछा करते हुए डिडौली कोतवाली क्षेत्र में संभल चौराहा पर राशिद हुसैन की कार को रोक कर कार से उतार लिया और बेरहमी के साथ पिटाई कर दी। पत्नी और बच्चों के सामने ही आरोपियों ने राशिद अली को पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। भीड़ ने हमलावरों से राशिद हुसैन को बचाकर स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से उन्हें मुरादाबाद रेफर कर दिया। लेकिन, रास्ते में ही राशिद हुसैन की मौत हो गई। अस्पताल में पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और एसपी अमित कुमार आनंद ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। इस मामले में मृतक के भतीजे सलमान ने हुसैनपुर निवासी कलीम, उसके चाचा और चार अज्ञात के खिलाफ तहरीर दे दी है। सीओ अभिषेक यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

अनीता संग उसके प्रेमी की हत्या के इरादे से पहुंचा था एक्स बॉयफ्रेंड, जासूसी के लिए ऑटो में लगाया था ट्रैकर

झांसी में महिला ऑटो चालक अनीता चौधरी की हत्या के आरोपी ने पुलिस के सामने कई खुलासे किए हैं। आरोपी ने बताया कि महिला ऑटो चालक झांसी में महिला ऑटो गिरफ्तार मुख्य उगले हैं। उसने के नजदीक आ गई उसने पहले अनीता बात सुनने को राजी देख उसने दोनों को दोनों को मारने के अरुण वहां से भाग कामयाब नहीं हो

के साथ उसके प्रेमी की हत्या का भी प्लान था। चालक अनीता चौधरी की हत्या के मामले में आरोपी मुकेश ने पुलिस के सामने कई राज बताया कि अनीता छह-सात महीने पहले अरुण थी। इस वजह से उससे दूरी बनाने लगी थी। को समझाने की कोशिश की लेकिन वह उसकी नहीं हुई। अपनी जिंदगी से अनीता को जाता ठिकाने लगाने का फैसला किया। सोमवार को इरादे से पहुंचा था लेकिन ऑटो पलटने के बाद निकला। इस वजह से वह अपने इरादे में सका। उधर, शनिवार को पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि मुकेश और अनीता वर्ष 2018 में ओरछा स्थित एक ग्लास फैक्टरी में साथ में काम करते थे। मुकेश वहां एकाउंटेंट था। दोनों की दोस्ती हो गई। मुकेश ने पुलिस को बताया कि कुछ समय बाद अनीता पति को छोड़कर उसके साथ रहने लगी। अपने पैसों से अनीता को दिलाया था ऑटो मुकेश ने भी पत्नी एवं बच्चों को छोड़ दिया। उसने अपने पैसों से अनीता को ऑटो दिला दी। सात साल से यह चल रहा था। जुलाई में अनीता उससे कटने लगी। उसकी दोस्ती रेलवे स्टेशन के पास स्थित ट्रैवल एजेंसी में काम करने वाले अरुण से हो गई थी। अनीता उसे पसंद करने लगी। दोनों घंटों मोबाइल पर बात करते। माई जिओ एप के जरिये मुकेश का इसका पता चल गया। इसके बाद से दोनों में कलह होने लगी। अक्तूबर में उसने दोनों को एक साथ पकड़ लिया। उसके बाद अनीता उससे अलग रहने लगी। इससे मुकेश चिढ़ गया। जासूसी के लिए ऑटो में लगा दिया था ट्रैकर- अनीता की जिंदगी में अरुण के आने के बाद मुकेश उस पर निगाह रखने लगा। गुपचुप तरीके से ऑटो में ट्रैकर लगा दिया था। मोबाइल के जरिये निगाह रखता था। ट्रैकर ऑन होने पर उसमें होने वाली बात सुनता था। ऑटो में अक्सर अनीता एवं अरुण साथ में होते। पांच जनवरी को अनीता के साथ उसकी शादी की सालगिरह थी। मुकेश ने अनीता से बाहर चलने को कहा लेकिन अनीता ने साथ जाने से मना कर दिया। मुकेश ने उसी दिन दोनों को सबक सिखाने की ठान ली। ट्रैकर के सहारे वह पीछा करते हुए अनीता तक जा पहुंचा। ऑटो में अरुण भी मौजूद था। यहां आकर उसने पहले अनीता को शादी की सालगिरह याद दिलाई। इसके बाद उसने सीधे अनीता पर फायर कर दिया। अनीता लहूलुहान होकर गिर पड़ी। ऑटो पलटने से अरुण को वह नहीं मार सका। अरुण छुपकर वहां से भाग निकला।

उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की बैठक जमुनहा तहसील के प्रांगण में संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जनपद के जमुनहा तहसील प्रांगण में उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की बैठक रविवार को तहसील अध्यक्ष बाबूराम पाठक के अध्यक्षता में में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्न बिंदुओं पर चर्चा करते हुए तहसील इकाई की नई कार्यकारिणी के गठन पर विस्तृत चर्चा किया गया। और संगठन के कार्ड रिनिवल कराने के सम्बन्ध में उपस्थित सदस्यों को अवगत कराया गया।सभी उपस्थित संगठन के पदाधिकारियों को आगामी मकर-संक्रांति खिचड़ी भोज के दिन नई कार्यकारिणी का गठन करने की सहमति जताई गई। वहीं तहसील अध्यक्ष के अगुवाई में जमुनहा एसडीएम संजय कुमार राय को नव वर्ष पर तहसील अध्यक्ष बाबूराम पाठक व संगठन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने डायरी व कलेंडर भगवान राम दरबार भेंट किया तथा नववर्ष की बधाई दी।तथा बैठक में तहसील अध्यक्ष बाबूराम पाठक, जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल,तहसील प्रभारी प्रदीप त्रिपाठी व तहसील के पदाधिकारियों एवं सदस्य इस मौके पर रिंकू जयसवाल, रूद्रसेन वर्मा,नंदकुमार गुप्ता, संतोष कुमार गुप्ता, राहुल जयसवाल, समाबानों,शफीक उल्ला,मुस्ताक अहमद आदि सहित उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन जमुनहा के अध्यक्ष बाबूराम पाठक के साथ सदस्य लोग उपस्थित रहे।

रविवार को चौक-नेहरू रोड पर लगने वाला संडे बाजार नहीं लग सका

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद। पुलिस व प्रशासन की सख्ती के चलते रविवार को चौक-नेहरू रोड पर लगने वाला संडे बाजार नहीं लग सका। इससे आक्रोशित फुटपाथ दुकानदारों ने बिजली घर के पास एकत्र होकर नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया। हालांकि पुलिस की सतर्कता के कारण स्थिति नियंत्रण में रही और बाजार पूरी तरह ठप रहा।बताया गया कि पूर्व में प्रशासन द्वारा चौक-नेहरू रोड पर संडे बाजार लगाने से मना कर दिया गया था। इसके विरोध में व्यापार मंडल नेता अंकुर श्रीवास्तव के नेतृत्व में दुकानदारों ने धरना-प्रदर्शन किया था। बाद में कोतवाली पुलिस ने एक दिन के लिए बाजार लगाने की अनुमति देते हुए उच्च अधिकारियों से वार्ता कर अगले रविवार के लिए वैकल्पिक स्थान तय कराने का आश्वासन दिया था। व्यापारियों की सहमति के बाद उस दिन बाजार लगाया गया था।

तीन दिन पूर्व संडे बाजार न लगने के विरोध में मशाल जुलूस निकालने का आह्वान किया गया था, लेकिन कोतवाली प्रभारी दर्शन सिंह ने मौके पर पहुंचकर जुलूस निकालने पर मुकदमा दर्ज करने की चेतावनी दी। इसके बाद फुटपाथ दुकानदार व्यापार मंडल पीछे हट गया और जुलूस नहीं निकाला गया। उसी दौरान सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय से व्यापारियों की बात कराई गई तथा अधिकारियों के साथ बैठक कर समाधान निकालने का भरोसा दिया गया था।

सूत्रों के अनुसार शनिवार देर रात पुलिस ने व्यापारी नेता को स्पष्ट चेतावनी दी कि रविवार को किसी भी तरह का हुड़दंग न किया जाए और न ही फुटपाथ पर संडे बाजार लगाया जाए। रविवार सुबह करीब 11 बजे दो दर्जन से अधिक फुटपाथ दुकानदार बिजली घर के पास एकत्र होकर नारेबाजी करने लगे। सूचना पर कोतवाली प्रभारी दर्शन सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी हाल में फुटपाथ पर बाजार नहीं लगने दिया जाएगा। साथ ही उन्हें सिटी मजिस्ट्रेट अथवा अन्य उच्च अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी गई। एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद संडे बाजार के लिए अब तक कोई वैकल्पिक स्थान तय नहीं हो सका है और न ही व्यापारियों व अधिकारियों के बीच कोई ठोस बैठक हो पाई है। नारेबाजी के दौरान यह भी देखने को मिला कि पुलिस की चेतावनी के बाद व्यापार मंडल के नगर व जिला स्तर के पदाधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे, जिससे दुकानदारों में निराशा व्याप्त रही।

सुप्रसिद्ध मेला श्री रामनगरिया में इन दिनों भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की छटा बिखरी

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/जनपद फारूखाबाद उत्तर प्रदेश/ फर्रुखाबाद। जनपद के सुप्रसिद्ध %मेला श्री रामनगरिया% में इन दिनों भारतीय संस्कृति और अध्यात्म की छटा बिखरी हुई है। इसी क्रम में जर्मनी और फ्रांस से आए विदेशी नागरिक जूना अखाड़ा पहुंचे, जहाँ उन्होंने न केवल संतों का आशीर्वाद लिया, बल्कि भारतीय योग और तपस्या को करीब से समझा। डॉक्यूमेंट्री फिल्म के जरिए दुनिया को दिखाएंगे भारतीय संस्कृति- जूना अखाड़े पहुंचे जर्मनी निवासी हेलमंड और फ्रांस निवासी डार्को विलियम ने बताया कि वे भारतीय अध्यात्म पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष प्रयागराज महाकुंभ के दौरान उन्हें फर्रुखाबाद और यहाँ होने वाले कल्पवास के बारे में जानकारी मिली थी। यहाँ कल्पवासियों की आस्था और संतों की योग तपस्या को देखकर वे काफी प्रभावित हुए। 53 वर्षों से भारत आ रहे हैं हेलमंड- जर्मनी निवासी हेलमंड ने अपनी भारत यात्रा के अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे पिछले 53 वर्षों से लगातार भारत आ रहे हैं। उन्होंने कहा, यहाँ आकर जो शांति और अध्यात्म की अनुभूति हुई है, उसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। वहीं, फ्रांस के डार्को विलियम ने इसे अपनी दूसरी भारत यात्रा बताया और कहा कि महाराज जी के सानिध्य में उन्हें अद्भुत शांति मिली है। संत समिति के अध्यक्ष से की भेंट- विदेशी मेहमानों ने संत समिति के अध्यक्ष महंत सत्यगिरी जी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान महंत जी ने उन्हें मेले के इतिहास और सनातन धर्म की विशेषताओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि- सनातन धर्म में सभी धर्मों और संप्रदायों के लिए समान मान-सम्मान है, यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है। प्रमुख लोगों की रही उपस्थिति इस अवसर पर विदेशी मेहमानों का स्वागत किया गया और उन्हें अगले वर्ष पुनः आने का निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान फर्रुखाबाद विकास मंच के जिला अध्यक्ष भईयन मिश्रा, कोमल पांडे, श्यामेंद्र दुबे, विनीत द्विवेदी, अनिल द्विवेदी, विनीत चौहान, विशाल गंगवार, सागरपुरी और दुष्यंत दीक्षित सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गेस्ट हॉउस में हिन्दू महासभा युवा संगठन की बैठक, कई पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद।शहर के बजरिया एक गेस्ट हॉउस में हिन्दू महासभा युवा संगठन की बैठक, कई पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई 7 बैठक में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से कई नए लोगों को संगठन से जोड़ा गया और उन्हें विभिन्न पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जिसमें नीरज राजपूत को तहसील अध्यक्ष प्रभारी, अमर वर्मा को तहसील अध्यक्ष, हरवंत राजपूत को तहसील मीडिया प्रभारी, किश राजपूत को तहसील महामंत्री, राधेश्याम को कोषाध्यक्ष तथा विजेन्द्र सिंह को तहसील उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा रितेश दीक्षित को युवा जिला उपाध्यक्ष एवं पंकज यादव को युवा जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया। महिला मोर्चा में कल्पना कश्यप को नगर अध्यक्ष, नीलम चतुर्वेदी को युवा नगर अध्यक्ष तथा लक्ष्मी यादव को युवा महिला मोर्चा की नगर महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई। वहीं नगर महिला मोर्चा की अध्यक्ष पुण्या चौहान को पदोन्नत करते हुए जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक के दौरान लगभग पचास से अधिक महिला एवं पुरुषों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में आगामी 26 जनवरी को निकलने वाली यात्रा को भव्य एवं सफल8 बनाने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक में युवा प्रदेश adhykdh विमलेश मिश्रा, युवा प्रदेश सचिव दीपक शर्मा, जिलाध्यक्ष क्रांति पाठक, गौ रक्षा जिला द्यध्यक्ष सचिन शर्मा रहे।युवा जिलाध्यक्ष मोनू तिवारी की उपस्थिति रही, जबकि बैठक का संचालन युवा जिला महामंत्री संतोष त्रिवेदी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

सिरसिया पुलिस ने हत्याकांड का किया खुलासा, प्रेम-प्रसंग में प्रेमी ने की थी हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती- सिरसिया सिरसिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरगदवा दा0 शाहपुर बरगदवा निवासिनी सुनीता की गले पर वारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद पुलिस अधीक्षक ने घटना स्थल का दौरा कर शीघ्र खुलासे का आश्वासन देकर थाना सिरसिया पुलिस को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा के पर्यवेक्षण में थाना सिरसिया पुलिस टीम ने इस सनसनीखेज हत्या कांड का सफल अनावरण करते हुए 01 शातिर अपराधी को घटना में प्रयुक्त- उपकरणो के साथ गिरफ्तार किया गया है। थाना सिरसिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बरगदवा दा0 शाहपुर बरगदवा में सुनीता की हत्या अज्ञात व्यक्तियों द्वारा की गयी थी जिसके सम्बन्ध में थाना सिरसिया पर मु0अ0सं0 09/2026 धारा 103(1) बीएनएस पंजीकृत किया गया। जिसकी विवेचना के क्रम में तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर आकाश कशौधन पुत्र अवधेश कुमार कशौधन निवासी जोखवा बाजार थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती का नाम प्रकाश में आया एवं धारा 241, 238 बीएनएस की बढोत्तरी की गयी। अभियुक्त को 10 जनवरी को मुखबिर की सूचना पर पंडित पुरवा के पास हथिया कुंडा नाला पुल के पास से अभियुक्त आकाश कशौधन पुत्र अवधेश कुमार कशौधन निवासी जोखवा बाजार थाना सिरसिया को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल 01 सरिया का टुकड़ा और 01 लकड़ी का टुकड़ा की बरामदगी की गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा पर साधा निशाना

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) वाले पहले पीडीए का मतलब जनता को समझा दें। कभी पी और कभी डी का मतलब बदल देते हैं। बरेली से लखनऊ जाते समय प्रदेश अध्यक्ष रविवार को दोपहर शाहजहांपुर में सांसद अरुण सागर के आवास पर पहुंचे। उन्होंने पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, एमएलसी सुधीर गुप्ता समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने उन्हें बुकें देकर स्वागत किया। सपा के पीडीए पंचायत के जरिये संगठन को मजबूत करने के सवाल पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए का मतलब जनता को समझाए। कभी पी का मतलब बदल देते हैं, कभी डी का तो कभी ए का मतलब बदल देते हैं। पहले वो तय कर लें कि पीडीए का मतलब है क्या? भाजपा सर्व समाज की पार्टी है। भाजपा सबको साथ लेकर चलती है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग जुटे। सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम रहे। बरेली में दिवंगत विधायक को दी श्रद्धांजलि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को बरेली पहुंचे थे। उन्होंने भाजपा के दिवंगत विधायक प्रो. श्याम बिहारी लाल को श्रद्धांजलि दी। प्रोफेसर के बेटे से बातचीत कर उन्हें ढाढ़स बंधाया। बरेली से लौटते समय भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शाहजहांपुर पहुंचे। वहां सांसद अरुण सागर के आवास पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

बुजुर्ग महिला की गंगा स्नान के दौरान अचानक गिर जाने और तबीयत बिगड़ने से मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद में पांचाल घाट पर कल्पवास के दौरान एक दुखद घटना सामने आई है। यहाँ %मेला श्री राम नगरिया% में कल्पवास कर रही हरदोई निवासी एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला की गंगा स्नान के दौरान अचानक गिर जाने और तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। कड़ाके की ठंड और शीतल जल बना गाँव की निवासी निर्मला (65 वर्ष) अपनी बहन उर्मिला और अन्य परिजनों के फर्रुखाबाद आ रही थीं। रविवार सुबह करीब 6:30 बजे जब वह गंगा स्नान के कारण वह अचानक मूर्छित होकर गिर पड़ीं। घाट पर मौजूद अन्य महिलाओं ने जाते समय तोड़ा दम परिजनों ने बताया कि कड़ाके की सर्दी लगने के कारण ऑटो के जरिए लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक को देखते हुए उन्हें %हायर सेंटर% (बड़े अस्पताल) के लिए रेफर कर दिया। तैयारी कर ही रहे थे कि दोपहर करीब 1:00 बजे निर्मला ने दम तोड़ दिया। जानकारी इस घटना ने मेला क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की जागरूकता पर भी सवाल लोगों ने बताया कि उन्हें घाट पर तैनात एम्बुलेंस सेवा के बारे में कोई जानकारी पता होता, तो शायद महिला को समय पर और बेहतर प्राथमिक सहायता मिल अस्पताल ले जाना पड़ा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ गौरतलब है कि इन दिनों हुआ है, जहाँ हजारों की संख्या में साधु-संत और श्रद्धालु कल्पवास (नदी तट कुछ दिनों से धूप खिलने के बावजूद सुबह के समय कड़ाके की ठंड पड़ रही है,

कारण- प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरदोई के लखनौर साथ पिछले 6 वर्षों से लगातार कल्पवास के लिए लिए उतरीं, तो पानी के अत्यधिक ठंडे होने के उन्हें तुरंत पानी से बाहर निकाला। अस्पताल ले उनकी हालत बिगड़ गई थी। उन्हें आनन-फानन में उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति हालांकि, परिजन उन्हें दूसरे अस्पताल ले जाने की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल- एम्बुलेंस की नहीं थी खड़े किए हैं। मृतका के परिजनों और साथ आए नहीं थी। यदि उन्हें एम्बुलेंस की उपलब्धता का सकती थी। जानकारी के अभाव में उन्हें ऑटो से पांचाल घाट पर %मेला श्री राम नगरिया% लगा पर रहकर आध्यात्मिक साधना) कर रहे हैं। पिछले जिससे गंगा का जल बेहद ठंडा बना हुआ है।

A relationship doesn't work on love alone; if these boundaries aren't set, they're sure to crack.

To keep relationships strong and beautiful, it's crucial to maintain personal boundaries along with love and affection. These include respecting privacy, valuing time, not interfering in
others' decisions, and avoiding
balance, respect, and trust in
term. Respect privacy and
maintain balanced expectations;
"no." Relationships are a person's
important part of our lives, but
mistakes weaken relationships.
They not only protect our self-
in relationships. If we properly
family relationships can become
boundaries: Respecting Privacy -
mobile phones, diaries, or personal
we respect privacy, relationships
Value of Time - Wasting someone's
them can make relationships one-
and contacting them at
Interfering in Personal Decisions
choices and decisions. Forcibly
decisions can lead to resentment.
respect the final decision. Clear
in relationships. It's important to

over-expectations. These boundaries maintain
relationships, strengthening them over the long
personal decisions; maintain clear financial rules;
avoid gossip; and embrace the freedom to say
greatest treasure. Friends and family are an
often small misunderstandings and unintentional
Therefore, setting personal boundaries is crucial.
confidence but also maintain balance and respect
adhere to these boundaries, friendships and
even stronger. Let's explore some such personal
Everyone needs their own space. Checking
matters without asking can break trust. When
maintain trust and security. Understanding the
time or remembering them only when you need
sided. Respecting the time of friends and family
appropriate times strengthens relationships. Not
- Every person has the ability to make their own
interfering in career, relationship, or lifestyle
It's best to express our opinions respectfully, but
rules regarding money - Money can create tension
communicate clearly when lending or borrowing
money, and not to expect repayment repeatedly. This prevents burdensome relationships and maintains transparency. Maintaining Balanced Expectations - It's wrong to constantly expect help from friends or family or assume responsibility for them. Relationships remain healthy when expectations are balanced and both parties contribute. Avoiding Gossip and Criticism - Relationships are founded on trust. Spreading personal information or constantly criticizing someone breaks trust. Therefore, avoiding gossip and positive conversations strengthen relationships. The Need for Space and Solitude - Every person has the right to take time for themselves occasionally. If a friend or family member wants to be alone, this should be respected. Freedom to Say "No" - Always agreeing to everything others say can burden a relationship. Sometimes it's necessary to say "No," and only when the other person respects this freedom can relationships remain honest and balanced. Maintaining Trust and Secrecy - If a friend or family member confides in us, it's crucial to keep it confidential. Maintaining trust deepens relationships and makes us feel secure.

Beetroot-Paneer Dosa is both tasty and nutritious. Prepare it with this easy recipe.

The common question for breakfast is: "What should I make today that's both tasty and healthy?" If you're tired of the usual flattened rice and parathas, we've brought you a special
recipe. Beetroot-Paneer Dosa is a
children. Compared to plain dosa,
nutrients. Beetroot helps combat
great source of protein, keeping you
combined, it becomes a "superfood"
color is particularly appealing to
learn the easy recipe for this recipe
Beetroot-Paneer Dosa Dosa Batter:
batter) Beetroot: 1 (boiled and
Green chillies: 2 (finely chopped)
black pepper and a little chaat masala
Paneer Dosa First, add the beetroot
well. You will notice that the batter
color. Add a little salt to it. Next, take
chopped green chillies, coriander
masala to it. Mix it gently. Your
non-stick pan and apply some oil.
the pan and spread it evenly. Drizzle
it cook over medium heat. When the
paneer stuffing in the center and fold

delight not only for adults but also for
beetroot dosa is a treasure trove of
anemia and boosts iron levels. Paneer is a
energized throughout the day. When
for both children and adults. Its deep red
children, making them eager to eat it. Let's
in this article without delay. Ingredients for
2 cups (semolina or normal rice-lentil
ground into puree) Paneer: 1 cup (grated)
Coriander leaves: 2 teaspoons Spices: Salt,
Oil or ghee: for frying Method for Beetroot-
puree to your regular dosa batter. Whisk it
has turned a beautiful deep pink or red
the grated paneer in a bowl. Add finely
leaves, a little salt, black pepper and chaat
protein-rich stuffing is ready. Now heat a
Pour a ladleful of the beetroot batter onto
a little ghee or oil around the edges and let
dosa is crispy on the bottom, place the
it. Your hot and crispy beetroot-paneer dosa
is ready. Serve it with coconut chutney or sambar. It will not only satisfy your hunger but will also keep you fit for the rest of the day.

You'll forget samosas and pakoras! Make these Hara Bhara kebabs with evening tea in just 10 minutes.

If you're craving a light, tasty, and healthy snack with your evening tea, Hara Bhara kebabs are the perfect option. They're not only tasty but also healthy and can be easily made at home.
You can prepare them in two ways. Both are
for evening tea: Traditional Mixed Vegetable
in Less OilEveryone loves to enjoy healthy and
tasty, and healthy, Hara Bhara kebabs are the
prepared at home. The special thing is that they
mild spices are enough. Here are two ways to
and crispy. Let's know about them - Mixed
chopped) Green peas – ½ cup (boiled) Carrot
potato – 1 medium size Paneer – 50 grams
1 (finely chopped) Salt – as per taste Black
– 1-2 tsp (for frying) Method of preparation
Now grind the boiled vegetables and potatoes
leaves, green chilies, and all the spices and mix

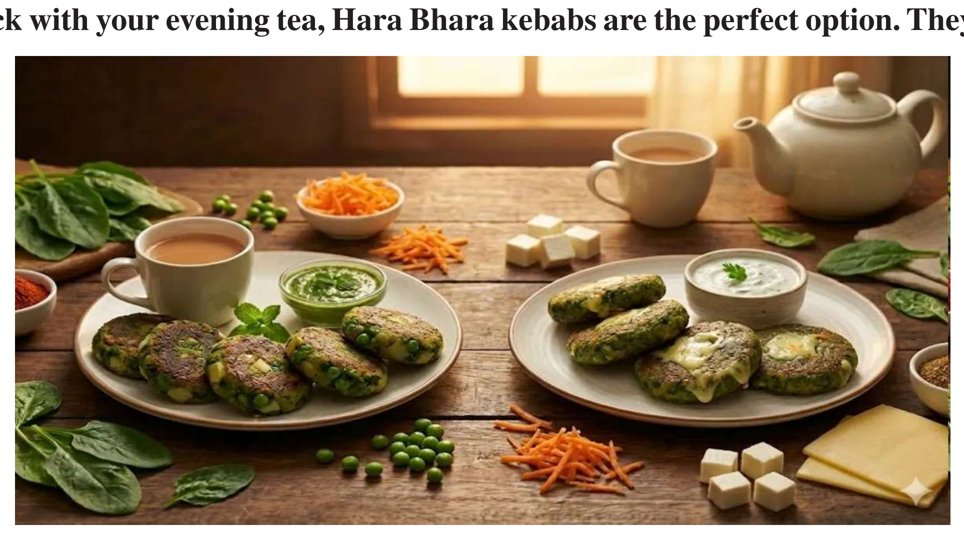

easy and go perfectly with tea. Make delicious Hara Bhara kebabs
and Cheese-Herb Kebab Recipe, Healthy and Crispy Snacks Made
tasty snacks with evening tea. If you're looking for something light,
perfect option. They not only taste amazing but can also be easily
don't require heavy oil or spices. Just fresh vegetables, lentils, and
make it, the first one is traditional and the second one is a little new
Vegetable Hara Bhara Kebab Ingredients Spinach – 1 cup (finely
– ½ cup (grated) Green capsicum – ¼ cup (finely chopped) Baked
(grated) Coriander leaves – 2 tbsp (finely chopped) Green chilli –
pepper – ½ tsp Red chilli powder – ¼ tsp Chaat masala – ½ tsp Oil
Firstly steam or lightly boil spinach, peas, carrot and capsicum.
coarsely in a mixer and prepare a paste. Add paneer, coriander
well. Form the mixture into small kebab shapes. Lightly oil a pan
or fry in an air fryer at 180°C for 10-12 minutes, until golden brown. These healthy and crispy kebabs are perfect for your evening tea. Cheese-Herb Hara Bhara Kebab Ingredients Spinach – 1 cup (finely chopped) Green peas – 1/2 cup (boiled) Moong dal – 1/4 cup (boiled) Grated cheese – 50 grams Coriander-mint paste – 2 tablespoons Green chili – 1 (finely chopped) Salt – to taste Dried oregano – 1/2 teaspoon Oil – 1-2 teaspoons (for frying) Method First, grind the spinach, peas, and moong dal in a mixer to form a smooth paste. Add cheese, herbs, and spices and mix well. Shape the mixture into small kebabs and lightly oil them on a pan or bake them in the oven/air fryer for 10 minutes. Remove when golden and crispy. Whether you try the first or the second method, both types of Hara Bhara kebabs are delicious and healthy. Serve them with green chutney, yogurt, or tomato sauce. These kebabs will be loved by both children and adults and will make your evening tea special.

Did Aneet Padda wear Ahaan Pandey's sweater? You'll be shocked to know its price.

The buzz surrounding Aneet Padda and Ahaan Panday's relationship has reignited following a viral video. In the video, Aneet is seen wearing a Christian Dior sweater previously worn

by Ahaan. Fans noticed this and to Ahaan. The latest viral video of Ahaan Panday has reignited the buzz video, Aneet can be seen wearing a by Ahaan himself. Video shared from Instagram by a user named Nitin meet a fan, who enthusiastically offers comfortable and confident in an denim jeans, minimal makeup, and Ahaan also briefly appears in a black time and location of his appearance the attention of many users. One fan while another wrote, "Aneet is someone else." Aneet seen in a casual features Christian Dior Atelier contrasting striped cuffs and hem. Its a versatile wardrobe item, perfect for the sweater's price? It is said to be much is known about its original

commented that the sweater belonged Saiyaara fame actors Aneet Padda and surrounding their relationship. In the Christian Dior sweater previously worn a fan page - This video was shared on Gandhi. In the video, Aneet stops to her a rose. Aneeth looked effortlessly embroidered Dior knit top, comfortable her signature middle-parted hairstyle. hoodie in the same clip, though the exact is unknown. Aneeth's sweater caught commented, "This sweater is Ahan's," wearing something special from look: This stunning knit beige jersey embroidery on the front, along with regular fit and ribbed detailing make it both casual and formal looks. What is around ?67,000 in the market, but not price. Rumours of their relationship

have been in the media for quite some time. However, Ahaan said in an interview with GQ India that he and Aneet are just good friends.

Kapil Sharma's Kis Kisko Pyaar Karoon 2 re-release cancelled? Film tanked due to Dhurandhar

Kapil Sharma's film "Kis Kisko Pyaar Karoon 2," which was released on December 12th, failed at the box office due to stiff competition from Ranveer Singh's "Dhurandhar." The

producers had planned to re-now been cancelled. Kisko Pyaar Karoon 2" was sequel to his 2015 comedy Goswami, the film stars Choudhury, Govardhan originally scheduled for competition from Ranveer at the box office. broke several major box filmmakers decided to re-again. It was scheduled to hit the re-release has now been source told Bollywood partner and distributor of 500 screens for the film's re-secure 200-250 screens.

release it on January 9th, but the release has Comedian-actor Kapil Sharma's film "Kis released on December 12th. This film is a film of the same name. Directed by Anukalp Manjot Singh, Ayesha Khan, Tridha Asrani, Vipin Sharma, and others. It was release on January 9th, but due to stiff Singh's "Dhurandhar," Kapil's film tanked Dhurandhar, released on December 5th, office collection records. Following this, the release it to give audiences a chance to see it theaters this Friday, January 9th. However, canceled. What's the reason behind this? A Hungama, "Star Studio 18, the studio 'Kis Kisko Pyaar Karoon 2,' had negotiated release. However, they were only able to Furthermore, the timing of most shows was

not correct. 'Kis Kisko Pyaar Karoon 2' producer Venus was not satisfied with the release. As a result, the decision was made on Thursday evening, January 8th, not to re-release the film."

"People, female pleasure..." Toxic director's befitting reply to those trolling Geetu Mohandas for an intimate scene

The promo for Yash's film "Toxic" was released on his 40th birthday, and director Geetu Mohandas was trolled for an intimate scene. People questioned whether a woman's role is solely to please a man or whether she is used as an object for the hero's entrance. Geetu responded on Instagram. The promo for "Toxic" was released on January 8th, Yash's 40th birthday. Yash plays the role of Raya in the film. The teaser opens with an intimate scene, prompting many to troll filmmaker Geetu Mohandas. Geetu Mohandas shared a video on her Instagram story, the caption of which seems to be a befitting reply to the trolls. In the video, she wrote, "While people are thinking about women's pleasure, consent, women controlling the system, etc., I'm relaxing." Why did people troll her? Like most social media posts by celebrities, this Instagram story shared by Mohandas has become a topic of discussion on Reddit. One netizen commented, "Jeetu, you've shot a scene in such a non-provocative manner. Is the woman's job only to please the man? The woman is not used as an object to facilitate the hero's entry at all." Yes, but showing sexuality like this in a 30 second scene is misrepresenting women.' Another Reddit user wrote, "I don't know what others think, but my opinion is that there was no point in showing it especially in this teaser...it's just for shock value...believe it or not...women's pleasure and consent are important and should be discussed, but with context in the film...not in a way where it's used to create an atmosphere around the main male character."